हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, रविवार 25 जनवरी 2026

13 नशा-मुक्ति के संदेश के साथ श्रद्धा-अनुशासन का संगम

14 गणतंत्र दिवस की फुल ड्रेस रिहर्सल में एसपी ने परेड की ली सलामी

खबर संक्षेप

नशीली गोलियां बेचने के मामले में सप्लायर दबोचा

फतेहाबाद। नशीली गोलियों की तस्करी के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर रतिया पुलिस ने मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। थाना शहर रतिया प्रभारी निरीक्षक पुष्पा सिहाग ने बताया कि 29 दिसंबर 2025 को पुलिस टीम नशीले पदार्थों की रोकथाम हेतु बस अड्डा क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस ने एक युवक सुखप्रीत सिंह उर्फ सुखी को 20 नशीली गोलियां सहित काबु किया था।

लालच देकर 12.13 लाख ठगी का आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। ऑनलाइन टास्क के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए साइबर थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान शिव चरण मीणा पुत्र हेतराम निवासी गांव रूपबास, जिला अलवर, राजस्थान के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। साइबर थाना प्रभारी निरिक्षक राहुल देव ने बताया कि इस बारे प्रमोद कुमार निवासी सिंथला (फतेहाबाद) ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई थी।

श्री काली माता मंदिर में लगाया भंडारा

सिरसा। गौशाला रोड पर स्थित श्री काली माता मंदिर ओढ़ा में गुप्त नवरात्रि की छट को मंदिर कमेटी व समस्त गांववासियों के सहयोग से मासिक भंडारे का आयोजन किया गया। शनिवार को सुबह माता रानी के स्वरूप को विधिपूर्वक स्नान करवाकर नए वस्त्र धारण करवाए गए और श्रृंगार किया गया। इसके बाद 11 बजे मंदिर के पुजारी अशोक शर्मा ने मंत्रों उच्चारण के साथ माता रानी को भोग लगवाया और कन्या पूजन के साथ लंगर शुरू कर दिया गया, जिसमें काफी संख्या में गांववासियों ने माता रानी का प्रसाद ग्रहण किया।

हवन कर मनाई महर्षि भृगु जयंती

सिरसा। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर भार्गव धर्मशाला में श्री भार्गव सभा द्वारा महर्षि भृगु जयंती श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोगों ने शिरकत की और हवन में आहुति डालकर विश्व कल्याण की कामना की। कार्यक्रम में भृगुवंशी ज्योतिषी ब्राह्मण सामाजिक उत्थान समिति हरियाणा से एसोसिएट्स प्रो. धर्मेंद्र भार्गव, शिक्षाविद् निखिल भार्गव, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी विजय भार्गव, सेवानिवृत्त अधिकारी तेलूराम भार्गव ने विशेष रूप से शिरकत की। पंडित राजेंद्र बाजपेई ने विधि विधान पूर्वक मंत्र उच्चारण के साथ हवन करवाया।

फतेहाबाद में दिखा खाटू जैसा नजारा: पीतांबरी वस्त्रों के लिए सड़क पर लगी श्यामभक्तों की लंबी कतारें

मिठाइयों का प्रसाद और ध्वज लेकर जयकारे लगाते नजर आए श्याम प्रेमी

श्री खाटू श्याम जी का परंपरागत रूप से चौला बदला गया, प्रतिमा को पीले फूलों से सजाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर सिटी स्थित खाटू श्याम मंदिर में आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। बसंत पंचमी पर शुक्रवार सुबह 8 बजे श्री खाटू श्याम जी का परंपरागत रूप से चौला बदला गया और बाबा श्याम की प्रतिमा को कोलकाता से मंगवाए गए विशेष पीले फूलों से सजाया गया। बाबा के इस अलौकिक स्वरूप के दर्शन के लिए बारिश के बीच ही सुबह से ही श्रद्धालु मंदिर पहुंचने लगे। हालांकि सुबह हुई बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं की श्रद्धा कम नहीं हुई। मंदिर परिसर में पूरे दिन भक्तिमय माहौल बना रहा। सुबह से ही मंदिर के बाहर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थी। भक्त हाथों में पीले फूल, पीले रंग की मिठाइयों का प्रसाद और ध्वज लेकर बाबा श्याम के जयकारे लगाते नजर आए। बसंत पंचमी पर पीतांबरी वस्त्र को प्रसाद के रूप में ग्रहण करने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है। श्रद्धालु शाम को आरती के बाद से ही लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे और बाबा के पीतांबरी वस्त्रों का प्रसाद ग्रहण किया। रात 8 बजे तक जवाहर चौक तक लंबी लाइन लगी रही।

हवन और संकीर्तन भी करवाया

श्री श्याम मंदिर के पुजारी पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि मंदिर में सुबह 8 बजे विशेष आरती की गई। उन्होंने बताया कि बाबा का चौला वर्ष भर चढ़ा रहता है, जिसे बसंत पंचमी के दिन ही बदला जाता है। इस दौरान बाबा को पीतांबरी वस्त्र अर्पित किए जाते हैं। इस वर्ष बाबा का श्रृंगार करीब 50 किलो बाहर से मंगवाए गए पीले और गुलाबी गुलाबों से किया गया। श्रद्धालु श्याम बाबा के जयकारे लगाते हुए मंदिर परिसर में झूमते हुए नजर आए। पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि बसंत पंचमी के दिन खाटू श्याम जी को पीले रंग का चौला अर्पित किया जाता है, जो बसंत ऋतु, समृद्धि, खुशहाली और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना, हवन और श्याम नाम संकीर्तन का आयोजन किया गया। भजन-कीर्तन के बाद आरती की गई।

फतेहाबाद। श्री श्याम मंदिर में बसंत पंचमी पर पूजा अर्चना करते पुजारी व श्री श्याम मंदिर में बागा लेने के लिए उमड़े श्रद्धालु। *फोटो: हरिभूमि*

बिना वैकल्पिक मार्ग काम शुरू होने से भड़के लोग, काम रुकवाया

रेलवे ओवरब्रिज निर्माण पर बवाल जाखल में ग्रामीणों ने की सड़क जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जाखल

जाखल क्षेत्र में रेलवे द्वारा पुल की ऊंचाई बढ़ाने के लिए शनिवार को जैसे ही काम शुरू किया गया, ग्रामीण इसके विरोध में उतर आए। जाखल शहरवासियों के अलावा आसपास के अनेक गांवों से आए लोगों ने जाखल गांव की ओर जाने वाली सडक़ पर धरना शुरू कर दिया और रोड जाम कर नारेबाजी शुरू कर दी। ग्रामीणों की मांग थी कि इस रूट को बंद करने से पहले रेलवे द्वारा लोगों की आवाजाही के लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जाए। रोड जाम की सूचना मिलते ही जाखल थाना प्रभारी सुरेश कुमार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत कर अधिकारी से बात करवाई। अधिकारी द्वारा दिए गए आश्वासन पर लोग शांत हुए जाम खोला। बता दें कि रेलवे ने जाखल-कुलां-भूना मार्ग पर बने रेलवे ओवरब्रिज को ऊंचा करने का निर्णय लिया है। इस कार्य के दौरान आवागमन पूरी तरह बाधित रहेगा। रेलवे ने मार्ग को डायवर्ट करने की योजना तैयार की है ताकि निर्माण कार्य सुचारू रूप से पूरा किया जा सके। रेलवे जाखल जंक्शन से गुजरने वाली माल गाडिय़ों के लिए डबल ट्रैक की सुविधा शुरू करना चाहती है। इसके लिए मौजूदा पुल की ऊंचाई कम होने के कारण माल गाडिय़ों का निकलना मुश्किल है, इसलिए रेलवे ओवरब्रिज को ऊंचा करने की योजना बना रही है। शनिवार को रेलवे ने इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया। रेलवे विभाग के ठेकेदार ने ओवर ब्रिज के दोनों तरफ रास्ता बंद होने के बेरीकेट्स भी लगा दिए, जिसके बाद शहर को जोडऩे वाला मार्ग पूरी तरह से बंद हो गया। इसके बाद जेसीबी से सड़क उखाड़ने का काम शुरू किया तो लोगों ने इसका विरोध शुरू कर दिया, जिसके बाद काम को रोक दिया गया। प्रदर्शनकारियों में किसान यूनियन एकता उग्रहा, पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति, ट्रक यूनियन जाखल और राइस मिल एसोसिएशन के सदस्य सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल थे। लोगों का कहना था कि सडक़ बंद होने से उन्हें आने-जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

अनेक गांवों के लोग हुए एकत्रित, जमकर की नारेबाजी

जाखल। रोड जाम करके बैठे किसान। *फोटो: हरिभूमि*

जाखल। मौके पर पहुंचे पुलिस कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

एसडीएम ने दिया आश्वासन

मौके पर पहुंचे जाखल थाना प्रभारी ने ग्रामीणों की एसडीएम टोहाना से बात करवाई। एसडीएम ने लोगों को आश्वासन दिया कि जब तक जाखल शहर को कोई अस्थाई रास्ता नहीं मिलता, तब तक इस मार्ग को बंद नहीं किया जाएगा। एसडीएम द्वारा दिए गए आश्वासन पर लोग शांत हुए और जाम खोल दिया।

क्या कहते है थाना प्रभारी

जब इस बारे में जाखल थाना प्रभारी सुरेश कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इस मामले को लेकर टोहाना एसडीएम से बात की गई है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि जब तक कोई अस्थायी रास्ता नही निकलता तब तक के लिए इस रास्ते को बंद नही किया जाएगा।

सिरसा। मांगों को लेकर रोष जाहिर करते कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

अनुबंधित कर्मियों ने अधिकारियों की मनमानी पर किया प्रदर्शन

- उपायुक्त से मिलकर कर्मचारियों ने अपनी समस्याएं रखीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

जॉब सिक्योरिटी एक्ट-2024 की अवहेलना और अधिकारियों की मनमानी के खिलाफ विद्युत निगम के अनुबंधित कर्मचारियों ने शनिवार को सिरसा में रोष प्रदर्शन किया। अनुबंधित कर्मचारी संघ के प्रदेश महासचिव जीवन ठाकुर ने कहा कि एक्ट के अंतर्गत अनुबंधित विद्युत कर्मचारियों का डाटा 31 जनवरी 2026 तक पोर्टल पर अपलोड किया जाना अनिवार्य है। इस प्रक्रिया के तहत कर्मचारियों के अनुभव प्रमाण पत्र, वेतनमान, संबंधित ठेकेदार का विवरण एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज अधिकारियों से उपलब्ध करवाए जाने हैं, लेकिन अधिकारियों द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को जॉब सिक्योरिटी एक्ट-2024 के लाभ से वंचित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके बाद कर्मचारी उपायुक्त से मिले और अपनी समस्याएं रखी। संघ स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देता है कि यदि निर्धारित समय-सीमा में कर्मचारियों का डाटा पोर्टल पर अपलोड नहीं किया गया, तो आंदोलन को राज्यव्यापी स्तर पर और उग्र किया जाएगा। इस मौके पर कर्मचारी नेता जसवंत सिंह, नरेश जांगड़ा, हवा सिंह, सुरेंद्र भोभिया, रविंद्रनाथ, सरजीत बैनीवाल, बलजीत सिंह सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

लगाया आरोप

कर्मचारियों का आरोप है कि जब कर्मचारियों का प्रतिनिधिमंडल अपनी वैधानिक मांगों को लेकर संबंधित अधिकारियों से मिला तो समस्याओं के समाधान के बजाय संगठन के पदाधिकारियों के साथ दुव्यवहार किया गया व तानाशाह रवैया अपनाया, जो न केवल प्रशासनिक गरिमा के विरुद्ध है, बल्कि श्रमिकों के सम्मान पर सीधा प्रहार है। उन्होंने कहा कि अनुबंधित कर्मचारियों की समस्याओं को जानबूझकर दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

टॉस्क पूरा कर मुनाफा कमाने का लालच देकर स्टूडेंट से हजारों रुपये ठगे, केस दर्ज

फतेहाबाद। फतेहाबाद में एक बीएड का स्टूडेंट साइबर ठगी का शिकार हो गया। टास्क पूरा कर मुनाफा कमाने का लालच देकर साइबर ठगों ने युवक से 73570 रुपये की राशि हड़प ली। युवक को जब अपने साथ हुए साइबर फ्रॉड का पता चला तो उसने इस बारे ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई। अब शनिवार को साइबर थाना फतेहााबद पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव बोस्ती निवासी प्रमोद पुत्र बनवारी लाल ने बताया कि वह बीएड की पढ़ाई कर रहा है। पढ़ाई के लिए वह मोबाइल फोन पर टेलिग्राम का प्रयोग करता है। उसने अपने मोबाइल पर 18 दिसंबर 2025 को टेलीग्राम चलाया, तो उसके पास ए पटेल नाम के अकाउंट से मैसेज आया हुआ था, जिसमें उससे पूछा गया था कि क्या वह पार्ट टाइम जॉब का इच्छुका है। इस पर उसने हां लिखा, तो उसके पास एक लिंक भेजा, जिसे उसने ज्वाइन कर लिया। उसने टेलीग्राम लिंक से ग्रुप ज्वाइन कर लिया और ऑनलाइन रेटिंग देनी शुरू कर दी। उसके बदले में उसके खाते में 17 दिसंबर को अलग-अलग ट्रांजेक्शन से रुपए आए।

बेटियों को गोद लेने वाले तीन दंपतियों को किया सम्मानित

- आंगनवाड़ी केंद्र नाथूसरी चौपटा में मनाया राष्ट्रीय बालिका दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ चोपटा

राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में नाथूसरी चौपटा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रीना रानी ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना और बालिकाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता लाना रहा। कार्यक्रम में उन परिवारों को विशेष सम्मान दिया गया जिन्होंने बेटियों को गोद लेकर समाज के सामने एक अनूठी मिसाल पेश की है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में विशेष रूप से उन तीन दंपतियों को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने लड़कियों को गोद लेकर उन्हें अपना नाम और नया जीवन दिया है।

सिरसा। बेटियों को गोद लेने वाले दंपतियों को सम्मानित करते हुए।

छोटी बालिकाओं से कटवाया केक

केंद्र की ओर से इन दंपतियों किरण व जगदीश, चंद्रकला व हनुमान, राजरानी व राजाराम को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छोटी बालिकाओं से केक कटवाकर उत्सव मनाया गया। साथ ही केंद्र के बच्चों का जन्मदिन भी सामूहिक रूप से मनाया गया। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को गति देते हुए उपस्थित सभी महिलाओं और ग्रामीणों को बेटियों को शिक्षित करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की शपथ दिलाई गई। इसके अतिरिक्त, बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने के लिए पोस्टरों के माध्यम से जागरूक किया गया। पोस्टरों के जरिए समझाया गया कि बाल विवाह न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि यह एक बेटी के सुनहरे भविष्य की हत्या भी है। इस दौरान आंगनवाड़ी सहायिका सरोज रानी, आशा वर्कर बबीता, अध्यापिका संतोष, सीमा, सहित ग्रामीण महिलाएं काजल, छाया , पिंकी, सुलोचना, प्रीति व बच्चे मौजूद रहे।

छोटी रकम, पर बड़ी सोच रखें, तैयार कर सकते हैं 25 लाख तक का फंड

सुझाव | बिजनेस डेस्क

मिडिल क्लास की सबसे बड़ी चिंता भविष्य की सुरक्षा होती है। सैलरी आती है, खर्च निकल जाता है और बचत हाथ से फिसल जाती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि रोज की छोटी आदतें आपकी जिंदगी का बड़ा सहारा बन सकती हैं? एक ऐसा तरीका है, जो बिना भारी बोझ के मजबूत फंड बनाने की राह खोलता है। आज के समय में सिर्फ अच्छी नौकरी या ठीक-ठाक कमाई होना ही काफी नहीं है। जितनी तेजी से महंगाई बढ़ रही है, उसी तेजी से पैसे को बढ़ाना भी जरूरी हो गया है। मिडिल क्लास परिवारों के लिए यह चुनौती और भी बड़ी हो जाती है, क्योंकि आमदनी सीमित होती है और जिम्मेदारियां ज्यादा। ऐसे में ज्यादातर लोग सोचते हैं कि बड़ा फंड बनाना उनके बस की बात नहीं है, लेकिन सच्चाई यह है कि सही आदत और सही प्लानिंग से छोटी बचत भी बड़ा कमाल कर सकती है। अगर आप भी सोच रहे हैं कि ज्यादा निवेश के बिना बड़ा फंड कैसे बने, तो जवाब आपकी रोज की छोटी बचत में छिपा है।

हमेशा बड़ी सोच रखो

अक्सर हम यह मान लेते हैं कि निवेश तभी संभव है जब जेब में ढेर सारा पैसा हो। इसी सोच की वजह से लोग निवेश को टालते रहते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि बड़ा फंड एक दिन में नहीं बनता, बल्कि रोज के छोटे फैसलों से तैयार होता है। रोज 200 रुपये बचाना कोई भारी बोझ नहीं है। यह रकम हम अक्सर अनजाने में चाय, सिगरेट, फास्ट फूड या ऑनलाइन ऑर्डर में खर्च कर देते हैं। अगर यही 200 रुपये रोज बचाकर भविष्य के लिए लगा दिए जाएं, तो यही छोटी आदत कुछ सालों में आर्थिक आजादी की तरफ ले जा सकती है।

निवेश पहले से कहीं ज्यादा आसान

आज के दौर में निवेश पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है. म्यूचुअल फंड एसआईपी ने आम आदमी को भी निवेश की ताकत दे दी है. अब निवेश के लिए बड़े चेक या लंबी प्रक्रिया की जरूरत नहीं. आप हर दिन 200 रुपए भी जमा करते हैं तो महीने में 6000 रुपए म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। इसका फायदा यह है कि आपको निवेश का दबाव महसूस नहीं होता। पैसे धीरे-धीरे कटते रहते हैं और आपको पता भी नहीं चलता कि कब एक अच्छा-खासा फंड तैयार हो गया.

रोज 200 रुपये से 25 लाख कैसे

अब सवाल आता है कि आखिर रोज की इतनी छोटी बचत से 25 लाख रुपये कैसे बन सकते हैं. अगर आप रोज 200 रुपये निवेश करते हैं, तो महीने में लगभग 6,000 रुपये और साल में करीब 72,000 रुपये का निवेश हो जाता है। अगर आप यह निवेश लगातार 14 साल तक करते हैं और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है, तो आपकी कुल जमा रकम करीब 10 लाख रुपये होगी, लेकिन कंपाउंडिंग की वजह से आपके पैसे पर पैसा बनता रहेगा और रिटर्न के रूप में लगभग 15–16 लाख रुपये जुड़ सकते हैं। इस तरह अंत में आपका फंड करीब 25 लाख रुपये तक पहुंच सकता है।

मिडिल क्लास के लिए कितनी फायदेमंद

एसआईपी मिडिल क्लास परिवारों के लिए इसलिए खास है क्योंकि यह उनकी जीवनशैली में आसानी से फिट हो जाती है। लंबी अवधि के लिए निवेश करने से बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम हो जाता है। जब बाजार ऊपर होता है, तो कम यूनिट मिलती हैं और जब बाजार नीचे होता है, तो ज्यादा यूनिट मिल जाती हैं।

निवेश को समय देना है जरूरी

यह समझना बहुत जरूरी है कि म्यूचुअल फंड कोई रातों रात अमीर बनने की स्कीम नहीं है। इसमें समय देना पड़ता है. बीच में बाजार गिर सकता है, लेकिन अगर आप घबराकर निवेश बंद नहीं करते और धैर्य बनाए रखते हैं, तो लंबे समय में इसका फायदा जरूर मिलता है। जैसे-जैसे आपकी आमदनी बढ़े, वैसे-वैसे एसआईपी की रकम बढ़ाना भी एक समझदारी भरा कदम हो सकता है। इससे आपका फंड और तेजी से बढ़ेगा।

लगातार कुलांचे भर रही है चांदी की कीमतें, आगे क्या रहेगा चांदी का रुख, क्या इसमें निवेश करना सही

चांदी भर रही निवेशकों की झोली, संभलकर करें निवेश

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- चांदी की कीमत इस समय करीब 3,48,647 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई।
- पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 20,400 बढ़कर 3,23,000 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

चांदी के भाव में गिरावट को लंबी अवधि के पोर्टफोलियो के लिए खरीदारी का मौका समझना चाहिए। केंद्रीय बैंकों द्वारा चांदी की खरीद, मौद्रिक नीति में नरमी और चांदी की बढ़ती औद्योगिक मांग जैसे कारणों से सोना और चांदी निवेशकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गए हैं। वहीं, टाटा म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट के अनुसार, हाल के महीनों में रिकॉर्ड उछाल के बाद चांदी में अभी भी काफी उतार-चढ़ाव के साथ मजबूती बनी रह सकती है। इसकी वजह मजबूत मांग का अनुमान और सप्लाई में कमी या स्टॉक की कमी है, जो मौजूदा ट्रेंड को बढ़ावा दे रहे हैं।

पिछले कुछ समय से चांदी निवेशकों की पहली पसंद बनती जा रही है। जिस रफ्तार से चांदी की कीमतें बढ़ रही हैं, उसने न सिर्फ बाजार को चौंकाया है, बल्कि निवेशकों के मन में यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि क्या यह तेजी टिकाऊ है या फिर जल्द ही इसमें मुनाफावसूली का दौर शुरू होगा। हालिया आंकड़े बताते हैं कि चांदी ने बेहद कम समय में जबरदस्त उछाल दर्ज किया है, लेकिन हर तेजी के साथ जोखिम भी बढ़ता है। ऐसे में चांदी में निवेश से पहले ठहरकर सोचने की जरूरत है। बीते कारोबारी सत्रों पर नजर डालें तो चांदी की कीमतें थोड़े से उतार चढ़ाव के बाद लगातार कुलाचे भरती दिखाई देती हैं। ताजा भाव के मुताबिक चांदी लगभग 3,48,647 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) के स्तर पर पहुंच गई है। यानी महज तीन से चार कारोबारी दिनों में ही चांदी की कीमतों में 35 हजार रुपये से ज्यादा की उछाल देखने को मिला है। यह तेजी सामान्य नहीं कही जा सकती और इसी वजह से बाजार में चांदी को लेकर उत्साह के साथ-साथ सतर्कता भी बढ़ गई है।

चांदी में क्यों आई है इतनी तेज़ी

चांदी की मौजूदा तेजी के पीछे कई घरेलू और वैश्विक कारण हैं। सबसे बड़ा कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता है। दुनिया के कई हिस्सों में मंदी की आशंका, भू-राजनीतिक तनाव और डॉलर की चाल ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर मोड़ा है। पारंपरिक रूप से सोने के साथ-साथ चांदी भी सुरक्षित निवेश मानी जाती है, लेकिन चांदी की एक खासियत यह है कि इसका औद्योगिक उपयोग भी बड़े पैमाने पर होता है। इलेक्ट्रिक व्हीकल, सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उद्योग में चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। ग्रीन एनर्जी और क्लीन टेक्नोलॉजी पर वैश्विक फोकस ने चांदी की औद्योगिक मांग को और मजबूत किया है। जब निवेश और उद्योग दोनों तरफ से मांग बढ़ती है, तो कीमतों में तेजी आना स्वाभाविक है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सप्लाई की सीमाएं भी चांदी की कीमतों को सहारा दे रही हैं। खनन लागत बढ़ना, नई खदानों की कमी और उत्पादन में सुस्ती ने सप्लाई-साइड दबाव पैदा किया है। इसका असर भारतीय बाजार में भी साफ दिखाई दे रहा है।

निवेशकों को क्यों हो रहा है बड़ा फायदा

चांदी की तेजी ने खासतौर पर उन निवेशकों को मालामाल किया है जिन्होंने इसमें समय रहते निवेश किया था। बीते एक साल में चांदी आधारित ईटीएफ ने असाधारण रिटर्न दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, एक साल में सिल्वर ईटीएफ ने 200% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। खासतौर पर यूटीआई सिल्वर ईटीएफ ने पिछले एक साल में करीब 206% का रिटर्न देकर निवेशकों को चौंका दिया है। ईटीएफ के जरिए निवेश करने वालों को न सिर्फ कीमतों में तेजी का फायदा मिला, बल्कि उन्हें भौतिक चांदी रखने की झंझट से भी मुक्ति मिली। यही वजह है कि हाल के महीनों में सिल्वर ईटीएफ में निवेश तेजी से बढ़ा है। छोटे निवेशकों से लेकर बड़े संस्थागत निवेशक तक, सभी की दिलचस्पी चांदी में बढ़ी है।

क्या आगे भी जारी रहेगी चांदी की तेजी

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या चांदी की यह रैली आगे भी जारी रहेगी या अब इसमें ब्रेक लगेगा। विशेषज्ञों की मानें तो लंबी अवधि में चांदी के फंडामेंटल मजबूत बने हुए हैं। औद्योगिक मांग, ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन और वैश्विक अनिश्चितता जैसे कारक चांदी को सपोर्ट कर सकते हैं। हालांकि, अल्पकाल में इतनी तेज तेजी के बाद करेक्शन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। जिस तरह से पिछले तीन दिनों में ही 35 हजार रुपये से ज्यादा का उछाल आया है, उससे साफ है कि बाजार कुछ हद तक ओवरबॉट जोन में पहुंच सकता है। अगर वैश्विक संकेत बदले, डॉलर मजबूत हुआ या मुनाफावसूली शुरू हुई, तो चांदी की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

निवेश से पहले किन बातों का रखें ध्यान

चांदी में निवेश करते समय सिर्फ रिटर्न देखकर फैसला करना समझदारी नहीं होगी। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि चांदी सोने की तुलना में कहीं ज्यादा अस्थिर (वोलेटाइल) होती है। इसमें तेजी जितनी तेज होती है, गिरावट भी उतनी ही तीखी हो सकती है। अगर आप नए निवेशक हैं, तो एकमुश्त बड़ी रकम लगाने से बचें। चरणबद्ध तरीके से निवेश करना बेहतर रहेगा। लॉन्ग टर्म निवेशक के तौर पर चांदी को पोर्टफोलियो में एक सीमित हिस्से के रूप में ही रखें। विशेषज्ञ आमतौर पर कुल निवेश का 5–10% से ज्यादा हिस्सा चांदी या अन्य कमोडिटी में न लगाने की सलाह देते हैं। इसके अलावा, निवेश का माध्यम भी सोच-समझकर चुनें। भौतिक चांदी, सिल्वर ईटीएफ, फ्यूचर्स या डिजिटल सिल्वर—हर विकल्प के अपने फायदे और जोखिम हैं।

मुनाफा है, लेकिन सावधानी ज़रूरी

इसमें कोई शक नहीं कि मौजूदा दौर में चांदी ने निवेशकों की झोली भर दी है। कीमतों की तेज रफ्तार और ईटीएफ के शानदार रिटर्न ने इसे चर्चा के केंद्र में ला दिया है। लेकिन बाजार का इतिहास गवाह है कि हर तेज रैली के बाद ठहराव या गिरावट भी आती है। इसलिए चांदी में निवेश करते समय उत्साह के साथ विवेक भी जरूरी है। लंबी अवधि के नजरिये से, सीमित हिस्सेदारी और सही रणनीति के साथ किया गया निवेश फायदेमंद हो सकता है। लेकिन जल्द अमीर बनने की उम्मीद में बिना जोखिम समझे किया गया निवेश भारी नुकसान भी करा सकता है। चांदी चमक जरूर रही है, लेकिन इस चमक के पीछे छिपे जोखिमों को नजरअंदाज करना निवेशकों के लिए महंगा साबित हो सकता है।

योजना बनाकर संयमित तरीके से करना होगा निवेश, भारत में अभी तक कॉपर ईटीएफ या कॉपर म्यूचुअल फंड उपलब्ध नहीं

सोना-चांदी के बाद 'कॉपर' भी बन रहा अगला बड़ा निवेश विकल्प

जानकारी | बिजनेस डेस्क

गोल्ड और सिल्वर की चमक के बीच बेस मेटल कॉपर को निवेशकों ने काफी समय तक नजरअंदाज किया, लेकिन अब इसमें भी तेज उछाल दिख रहा है। लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) के आंकड़ों के अनुसार, कॉपर मार्च 2022 के बाद के अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। भारत में भी कॉपर फ्यूचर्स ने बीते एक साल में लगभग 36% की तेजी दिखाई है, जिससे यह सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली कमोडिटीज में से एक बन गया है।

पिछले कुछ वर्षों में निवेशकों ने देखा है कि कैसे सोना और चांदी ने अनिश्चित बाजार हालात में बेहतर रिटर्न देकर खुद को सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में स्थापित किया। अब इसी कड़ी में एक और कमोडिटी निवेशकों के रडार पर तेजी से उभर रही है वह है कॉपर (तांबा)। शेयर बाजार की मौजूदा सुस्ती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का रुझान एक बार फिर कमोडिटी निवेश की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कॉपर अगला बड़ा दांव बन सकता है और क्या रिटेल निवेशक भी इससे मोटी कमाई कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए योजना बनाकर संयमित तरीके से निवेश करना होगा। तभी कॉपर में निवेश कर अच्छा रिटर्न पाया जा सकता है। सोना और चांदी के बाद अब निवेशकों की नजर कॉपर (तांबा) पर टिकने लगी है। पिछले एक साल में गोल्ड और सिल्वर ने रिकॉर्ड रिटर्न दिए हैं।

इसलिए बढ़ रहा कॉपर की ओर निवेशकों का झुकाव

कॉपर को अक्सर डॉ. कॉपर कहा जाता है, क्योंकि इसकी मांग वैश्विक आर्थिक गतिविधियों का संकेत देती है। जैसे-जैसे इंडस्ट्री, इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी सेक्टर में गतिविधियां बढ़ती हैं, कॉपर की खपत भी उसी अनुपात में बढ़ती है। मौजूदा समय में कई ऐसे स्ट्रक्चरल ट्रेंड्स हैं जो कॉपर की कीमतों को लंबी अवधि में मजबूती दे सकते हैं। सबसे बड़ा कारण है ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) सेक्टर का विस्तार। एक इलेक्ट्रिक कार में पारंपरिक पेट्रोल-डीजल कार की तुलना में लगभग तीन से चार गुना ज्यादा कॉपर इस्तेमाल होता है। बैटरी, मोटर, चार्जिंग सिस्टम और वायरिंग हर जगह कॉपर की अहम भूमिका है। दुनिया भर में ईवी को बढ़ावा देने के लिए सरकारें नीतियां बना रही हैं, जिससे आने वाले वर्षों में कॉपर की मांग लगातार बढ़ने की उम्मीद है। दूसरा अहम कारण है डेटा सेंटर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार। क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 5जी जैसी तकनीकों के कारण बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर्स बनाए जा रहे हैं। इन डेटा सेंटर्स में बिजली की खपत और केबलिंग के लिए भारी मात्रा में कॉपर की जरूरत होती है। इसके अलावा डिफेंस और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर भी कॉपर की मांग को मजबूत कर रहे हैं। सोलर पैनल, विंड टर्बाइन और इलेक्ट्रिक ग्रिड के आधुनिकीकरण में कॉपर एक प्रमुख कच्चा माल है। वैश्विक स्तर पर ग्रीन एनर्जी पर जोर के चलते यह मांग लंबे समय तक बनी रह सकती है।

सप्लाई की चुनौती: कीमतों को सहारा

कॉपर की तेजी के पीछे सिर्फ मांग ही नहीं, बल्कि सप्लाई से जुड़ी समस्याएं भी बड़ा कारण हैं। दुनिया की कई प्रमुख कॉपर माइंस पुराने चरण में पहुंच चुकी हैं, जहां उत्पादन बढ़ाना आसान नहीं है। नई माइंस विकसित करने में पर्यावरणीय नियम, लंबी मंजूरी प्रक्रिया और भारी लागत बड़ी बाधा बन रहे हैं। इसके अलावा कुछ प्रमुख उत्पादक देशों में राजनीतिक और श्रम संबंधी अनिश्चितताएं भी सप्लाई को प्रभावित करती हैं। सीमित सप्लाई और बढ़ती मांग का यह असंतुलन कॉपर की कीमतों को लंबी अवधि में मजबूती दे सकता है।

भारत में निवेश के विकल्प क्या हैं

फिलहाल भारत में कॉपर ईटीएफ या कॉपर आधारित म्यूचुअल फंड उपलब्ध नहीं हैं, जो रिटेल निवेशकों के लिए एक बड़ी चुनौती है। हालांकि, इसके बावजूद निवेश के कुछ रास्ते मौजूद हैं। पहला विकल्प है कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के जरिए कॉपर फ्यूचर्स में निवेश, लेकिन यह विकल्प केवल उन्हीं निवेशकों के लिए उपयुक्त है, जिन्हें कमोडिटी बाजार की अच्छी समझ हो, क्योंकि इसमें वोलैटिलिटी और लीवरेज का जोखिम ज्यादा होता है। दूसरा विकल्प है कॉपर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश। भारत और विदेशों में कई ऐसी माइनिंग, मेटल और केबल निर्माण कंपनियां हैं, जिनका बिजनेस सीधे तौर पर कॉपर की कीमतों से जुड़ा है। हालांकि, इसमें कंपनी-विशेष के जोखिम भी जुड़े होते हैं। तीसरा रास्ता है डायवर्सिफाइड कमोडिटी या इंटरनेशनल फंड्स, जो अप्रत्यक्ष रूप से बेस मेटल्स या ग्लोबल कमोडिटी मार्केट में निवेश करते हैं। हालांकि, इनमें कॉपर का एक्सपोजर सीमित हो सकता है। कॉपर में निवेश को लेकर उत्साह के साथ-साथ संयम भी जरूरी है। यह एक साइकलिकल कमोडिटी है, जिसकी कीमतें वैश्विक आर्थिक हालात से तेजी से प्रभावित होती हैं। इसलिए निवेशकों को चाहिए कि वे इसे पोर्टफोलियो का छोटा हिस्सा बनाएं, न कि पूरा दांव इसी पर लगा दें। चरणबद्ध निवेश, लंबी अवधि का नजरिया और जोखिम प्रबंधन बेहद जरूरी है।

5 लाख को 5 साल के लिए ऐसे करें निवेश

बिजनेस डेस्क

अक्सर हम अपनी मेहनत की कमाई का कुछ हिस्सा बचाकर रख लेते हैं। मान लीजिए, आपके पास इस वक्त 5 लाख रुपये पड़े हैं और आपने मन बना लिया है कि अगले 5 साल तक आप इन पैसों को हाथ नहीं लगाएंगे। अब आपके सामने सबसे बड़ी चुनौती यह आती है कि इस पैसे को ऐसी कौन सी जगह निवेश करें, जहां से यह 5 साल बाद एक भारी-भरकम रकम बनकर वापस आए।

निवेश के ये आसान तरीके

बाजार में निवेश के बहुत से रास्ते हैं, लेकिन जब बात सुरक्षा और अच्छे मुनाफे के तालमेल की आती है, तो तीन नाम सबसे पहले जेहन में आते हैं। पहला है सरकारी सुरक्षा वाला एनएससी, दूसरा है बरसों पुराना भरोसा यानी एफडी और तीसरा है आज के दौर का सुपरहिट विकल्प यानी म्यूचुअल फंड लंपसम। समझते हैं कि आपके एक लाख रुपए इन तीनों रास्तों पर चलकर 5 साल में कहां तक पहुंचेंगे। अगर आप ऐसे शख्स हैं जिन्हें रात को सुकून की नींद चाहिए और आप अपने पैसे के साथ रत्ती भर भी रिस्क नहीं लेना चाहते, तो नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट यानी एनएससी आपके लिए सबसे मजबूत किला है।

कंपाउंड ब्याज देगा बड़ा मुनाफा

आज के समय में एनएससी पर करीब 7.7 प्रतिशत का सालाना कंपाउंड ब्याज मिल रहा है। इसका गणित बहुत सीधा है। अगर आप आज 5 लाख रुपये एनएससी में जमा करते हैं, तो 5 साल का समय पूरा होने पर आपके हाथ में लगभग 7.24 लाख रुपये होंगे, लेकिन इसकी असली खूबी सिर्फ ब्याज नहीं है। एनएससी में निवेश करने पर आपको इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत छूट भी मिलती

फिक्स्ड डिपॉजिट

देश में आज भी निवेश का मतलब एफडी ही समझा जाता है। अगर आप पोस्ट ऑफिस में 5 साल के लिए एफडी करवाते हैं, तो फिलहाल वहां करीब 7.5 प्रतिशत का ब्याज ऑफर किया जा रहा है। वहीं, बैंकों की बात करें, तो यह आंकड़ा थोड़ा कम यानी 6 से 6.5 प्रतिशत के बीच रहता है। चलिए, पोस्ट ऑफिस वाली ऊंची दर को पकड़कर हिसाब लगाते हैं। अगर आप 5 लाख रुपये यहां 5 साल के लिए लॉक कर देते हैं, तो मैच्योरिटी पर आपको करीब 7.26 लाख रुपये मिल सकते हैं। एफडी से मिलने वाला ब्याज टैक्सेबल होता है, यानी आपकी कमाई पर टैक्स की कैंची चल सकती है. साथ ही, महंगाई को देखते हुए इसका असली मुनाफा थोड़ा कम महसूस हो सकता है. फिर भी, इसकी सरलता और लिक्विडिटी इसे आज भी लोकप्रिय बनाए हुए है.

म्यूचुअल फंड लंपसम

अब बात करते हैं उस विकल्प की, जिसने पिछले कुछ सालों में निवेशकों को सबसे ज्यादा आकर्षित किया है। यह है म्यूचुअल फंड में लंपसम निवेश। लंपसम का मतलब है कि आपने अपनी पूरी रकम एक ही बार में किसी फंड में डाल दी। अगर आप थोड़ा सा जोखिम उठाने का जिगरा रखते हैं, तो इक्विटी म्यूचुअल फंड आपको मालामाल कर सकता है।

यह निवेश करने का आसान और सबसे लोकप्रिय तरीका, छोटी-छोटी गलतियां करवा सकती हैं करोड़ों रुपये का नुकसान

संयम और प्लानिंग के साथ शुरू करें एसआईपी

एसआईपी शुरू या बंद करने से पहले जान लें कुछ अहम बातें, वरना हो सकता है नुकसान!

सलाह | बिजनेस डेस्क

आज के समय में एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) निवेश का सबसे आसान और लोकप्रिय तरीका बन चुका है। नौकरीपेशा लोग हों या छोटे व्यापारी, हर कोई महीने की थोड़ी-सी बचत से बड़ा फंड बनाने का सपना देखता है। लेकिन यह समझना बेहद जरूरी है कि एसआईपी जितना आसान दिखता है, उतना ही जोखिम भरा भी हो सकता है, अगर इसे सही समझ और योजना के बिना शुरू या बंद किया जाए। छोटी-छोटी गलतियां लंबे समय में लाखों नहीं, बल्कि करोड़ों रुपये तक का नुकसान करवा सकती हैं। एसआईपी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें एकमुश्त बड़ी रकम लगाने की जरूरत नहीं होती। हर महीने तय राशि अपने आप म्यूचुअल फंड में निवेश हो जाती है। बाजार गिरता है तो उसी रकम में ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं और बाजार चढ़ता है तो निवेश की वैल्यू बढ़ती है। इसी वजह से इसे आम निवेशकों के लिए आदर्श माना जाता है। लेकिन कई लोग इसे जोखिम-मुक्त मान लेते हैं, जो सबसे बड़ी भूल है।

एसआईपी जोखिम-मुक्त नहीं, लंबे समय तक टिके रहने में ही फायदा मिलता

तार-चढ़ाव तय

एसआईपी पूरी तरह बाजार से जुड़ा होता है, इसलिए इसमें उतार-चढ़ाव तय है। दिसंबर 2025 में ही निवेशकों ने रिकॉर्ड 31,002 करोड़ रुपये एसआईपी में डाले। लेकिन अक्सर लोग बिना पूरी जानकारी के एसआईपी शुरू कर देते हैं या बीच में रोक देते हैं। आइए जानते हैं वो अहम बातें जो हर निवेशक को समझनी चाहिए

लंबे समय तक टिके रहने में लाभ

सबसे अहम बात यह है कि एसआईपी का असली फायदा लंबे समय तक टिके रहने में ही मिलता है। बहुत से निवेशक बाजार गिरते ही घबरा जाते हैं और एसआईपी बंद कर देते हैं। यही वह समय होता है जब निवेश जारी रखना चाहिए, क्योंकि गिरावट के दौरान खरीदी गई यूनिट्स भविष्य में बाजार सुधरने पर बड़ा रिटर्न देती हैं। बीच में एसआईपी रोक देना या पूरी तरह बंद कर देना कंपाउंडिंग के असर को तोड़ देता है, जिससे संभावित रिटर्न काफी कम हो जाता है।

बिना लक्ष्य निवेश शुरू न करें

एक और आम गलती है बिना लक्ष्य तय किए निवेश शुरू करना। यह जानना जरूरी है कि आप किस उद्देश्य के लिए पैसा लगा रहे हैं—बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना, शादी या रिटायरमेंट। लक्ष्य के अनुसार फंड का चुनाव और निवेश की अवधि तय की जानी चाहिए। इसके अलावा, अपनी आय और खर्चों का सही आकलन किए बिना बड़ी रकम की एसआईपी शुरू करना भी जोखिम भरा हो सकता है। अगर मासिक बजट बिगड़ता है तो मजबूरी में एसआईपी बंद करनी पड़ सकती है। इमरजेंसी फंड की कमी भी निवेशकों को नुकसान की ओर ले जाती है। अचानक मेडिकल या अन्य जरूरी खर्च आने पर लोग एसआईपी तोड़ देते हैं, जिससे न सिर्फ रिटर्न कम होता है बल्कि टैक्स का बोझ भी बढ़ सकता है। इसलिए एसआईपी शुरू करने से पहले कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड बनाना बेहद जरूरी है।

निवेश का बेहतरीन जरिया

एसआईपी निवेश का बेहतरीन जरिया है, लेकिन इसे जोखिम-मुक्त समझना भारी पड़ सकता है। सही जानकारी, स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन और धैर्य के साथ किया गया निवेश ही लंबे समय में बड़ा फंड बना सकता है। याद रखें, एसआईपी शुरू या बंद करने से पहले लिया गया हर फैसला आपके भविष्य की आर्थिक स्थिति तय करता है।

एसआईपी जोखिम-मुक्त नहीं है

बहुतों को लगता है कि एसआईपी से जोखिम कम हो जाता है। हकीकत ये है कि एसआईपी सिर्फ निवेश का तरीका है, यह फंड की प्रकृति नहीं बदलता। अगर फंड इक्विटी या डेट मार्केट में है, तो उतार-चढ़ाव का असर एसआईपी पर भी पड़ेगा। सही फंड चुनना और अपने लक्ष्य व जोखिम क्षमता को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है। कम राशि से शुरुआत और लचीलापन एसआईपी की सबसे बड़ी खूबी है कि आप सिर्फ 500 रुपये से भी शुरुआत कर सकते हैं। अगर कभी आर्थिक दबाव हो तो किस्त रोक सकते हैं या स्किप कर सकते हैं। यही वजह है कि ये नए निवेशकों और अस्थिर आय वालों के लिए भी उपयुक्त है।

किस्तें मिस करना महंगा

किस्तें मिस करना महंगा पड़ सकता है
अगर आप हर साल सिर्फ एक एसआईपी छोड़ दें, तो 20 साल में करोड़ों का नुकसान हो सकता है।
उदाहरण: 20,000 मासिक एसआईपी 20 साल में 2 करोड़ बन सकती है, लेकिन हर साल एक किस्त छोड़ने से लगभग 40 लाख कम हो जाएंगे।

मार्केट टाइमिंग की जरूरत नहीं

बाज़ार कब ऊपर जाएगा या नीचे आएगा, ये कोई नहीं बता सकता। एसआईपी का फायदा यही है कि यह अलग-अलग स्तरों पर निवेश फैलाकर जोखिम कम करता है। जो निवेशक मंदी में भी एसआईपी जारी रखते हैं, उन्हें लंबे समय में बेहतर रिटर्न मिलता है।

एसआईपी बढ़ाना देता है दोगुना फायदा

अगर आप हर साल एसआईपी राशि 10% बढ़ाते हैं, तो नतीजे चौंकाने वाले होते हैं। उदाहरण: 5,000 रुपये मासिक एसआईपी 20 साल में 50 लाख बन सकती है, लेकिन हर साल 10% बढ़ाने पर वही एसआईपी लगभग 1 करोड़ एसआईपी तक पहुंच सकती है। एसआईपी कोई जादू नहीं, बल्कि अनुशासन और धैर्य का खेल है। जल्दी शुरू करें, लंबे समय तक टिके रहें, किस्तें मिस न करें और धीरे-धीरे राशि बढ़ाते रहें। तभी एसआईपी आपके लिए असली वेल्थ क्रिएटर साबित होगी।

खबर संक्षेप

नाबालिग से दुष्कर्म आरोपी युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म और छेड़छाड़ के मामले में कार्रवाई करते हुए भूना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान अमरलाल पुत्र ईश्वर निवासी जाण्डली कलां के रूप में हुई है। शनिवार को थाना भूना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि इस बारे थाना में शिकायत प्राप्त हुई कि नाबालिग पीड़िता को उसके पड़ोसी में रहने वाले एक युवक ने बेर देने के बहाने बुलाकर उसके साथ गलत काम किया था इस दौरान दूसरा आरोपी अमरलाल कमरे के बाहर पहरा दे रहा था।

लाखों की हेरोइन सहित दो भाई गिरफ्तार

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस ने हरिभूमि न्यूज. फतेहाबाद। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए रतिया पुलिस ने लाखों रुपये की हेरोइन सहित दो युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों की पहचान अमरीक सिंह व मलकीत सिंह पुत्र पूर्ण सिंह निवासी बादलगढ़ के रूप में हुई है। शनिवार को सीआईए रतिया प्रभारी सहायक उप निरीक्षक रिछपाल ने बताया कि एएसआई रघुबीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम नशीले पदार्थों की रोकथाम हेतु बस अड्डा महमड़ा क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का किया आयोजन

ओढां। राजकीय कन्या उच्च विद्यालय पन्नीवाला मोटा में सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गायत्री मंत्र के साथ किया गया जिसमें स्कूल के सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया। जानकारी देते हुए योग सहायिका सोनिया ने बताया कि यह अभियान 12 जनवरी से लेकर 12 फरवरी तक निरंतर चलेगा।जिसके तहत विद्यालयों में प्रतिदिन सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया जाएगा।

राजकीय महिला कॉलेज में आत्मरक्षा कार्यशाला संपन्न

सिरसा। राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा में छात्राओं के आत्मविश्वास, आत्मरक्षा एवं व्यक्तित्व विकास को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित साप्ताहिक सेल्फ डिफेंस कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। कॉलेज प्रवक्ता डॉ. कपिल सैनी ने बताया कि इस कार्यशाला के दौरान छात्राओं को आत्मरक्षा की विभिन्न तकनीकों जैसे पंच, किक, थ्रो, अटैक और डिफेंस का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने छात्राओं से कहा कि आज के समय में आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रत्येक छात्रा के लिए अनिवार्य है।

सीडीएलयू में जागरूकता सेमिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज. सिरसा। सोशल एक्टिविस्ट एवं मीडिया एक्सपर्ट राजेश कुमार पानीपत ने कहा कि आज का मीडिया केवल सूचना देने का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज को दिशा देने वाली शक्ति भी है। मीडिया एक्सपर्ट राजेश कुमार शनिवार को चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय (सीडीएलयू) सिरसा, में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक सशक्त मीडिया पर्सनेलिटी वही है, जो टीआरपी या व्यूज से ऊपर उठकर जनहित और लोकतांत्रिक मूल्यों को प्राथमिकता दे।

डीएवी पुलिस स्कूल में हवन एवं खेल प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

नशा-मुक्ति के संदेश के साथ श्रद्धा और अनुशासन का संगम

डीएवी नेशनल गेम्स के स्वर्ण पदक विजेताओं का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

डीएवी पुलिस स्कूल में आज हवन कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, अनुशासन एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम आर्य युवा समाज द्वारा चलाई जा रही नशा-मुक्ति मुहिम से प्रेरित रहा, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों व समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ, संयमित और सकारात्मक जीवन शैली को अपनाने का संदेश देना है। हवन के माध्यम से शुद्ध वातावरण, सद्बुद्धि एवं सदाचार के लिए प्रार्थना की गई। हवन उपरांत विद्यालय में खेल प्रतिभाओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने डीएवी नेशनल गेम्स में भाग लेकर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में सराहनीय प्रदर्शन किया। स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन एवं समर्पण से विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

फतेहाबाद। डीएवी पुलिस स्कूल में आयोजित हवन में भाग लेते स्टाफ सदस्य।

नशा-मुक्ति मुहिम की सराहना की

इस अवसर पर विभिन्न खेलों में स्वर्ण पदक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्या अमिता सिंह ने आर्य युवा समाज की नशा-मुक्ति मुहिम की सराहना करते हुए कहा कि नशा-मुक्त समाज और खेलों में सहभागिता ही स्वस्थ राष्ट्र की नींव है। विद्यार्थी यदि अनुशासन, संयम और खेल भावना को अपनाएँ, तो सफलता निश्चित है और इस सफलता में अभिभावकों तथा शिक्षकों की भागीदारी समान रूप से सराहनीय है। अंत में विद्यार्थियों ने नशा-मुक्त जीवन अपनाने का संकल्प लिया तथा सम्मानित खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

नशा मुक्त समाज के लिए 'महाशक्ति टीम' की हुंकार, आज अशोक नगर में निकलेगी पद यात्रा

■ महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह ने दी जानकारी

फतेहाबाद। नशे के बढ़ते जाल से युवा पीढ़ी को बचाने और समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट की टीम द्वारा एक बार फिर बड़े स्तर पर जन-जागरण अभियान की शुरुआत की जा रही है। टीम द्वारा 25 जनवरी रविवार को 'एक पदयात्रा नशे के खिलाफ' का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह ने बताया कि यह पद यात्रा फतेहाबाद के अशोक नगर स्थित खंडा चौक से प्रातः 10 बजे शुरू होगी। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य उन परिवारों को संबल देना है जो नशे की मार झेल रहे हैं और युवाओं को इस बुराई से दूर रहने के लिए प्रेरित करना है। भवानी सिंह ने कहा कि यह पद यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि एक सामाजिक संकल्प है। उन्होंने कहा, यह उन माता-पिता की आवाज है जिन्होंने नशे के कारण अपने बच्चों का भविष्य अंधकार में जाते देखा है। अब समय आ गया है कि हम सब एकजुट होकर अपनी आने वाली पीढ़ी को इस जहर से बचाएं। इस मुहिम में विशेष रूप से युवाओं और मातृशक्ति को आमंत्रित किया गया है, क्योंकि समाज के निर्माण में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। महाशक्ति टीम ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में खंडा चौक पर एकत्रित होकर इस लड़ाई को मजबूती प्रदान करें। इस यात्रा का लक्ष्य स्वस्थ, संस्कारी और नशा मुक्त समाज का निर्माण करना है। महाशक्ति टीम का यह संकल्प है कि जब तक हमारा क्षेत्र पूरी तरह से नशा मुक्त नहीं हो जाता, तब तक जागरूकता का यह कारवां रुकने वाला नहीं है। उन्होंने शहर के सभी गणमान्य व प्रबुद्ध नागरिकों और सामाजिक संस्थाओं से आह्वान किया कि वह समाज को बचाने के लिए एकजुट हो और एक मंच पर आकर समाज को नशे जैसी बुराई से बचाने का संकल्प लें। हम सबके सामूहिक प्रयासों से ही नशामुक्त समाज का सपना साकार हो सकता है।

भट्टूकलां। सात दिवसीय एनएसएस शिविर में उपस्थित स्वयंसेवक।

स्वयंसेवकों को राष्ट्र निर्माण में योगदान और नशा मुक्ति के लिए किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भट्टूकलां

■ मदर टेरेसा कान्वेंट स्कूल, भट्टू मंडी में जिला स्तरीय आवासीय एनएसएस शिविर आयोजित

मदर टेरेसा कान्वेंट स्कूल, भट्टू मंडी में आयोजित जिला स्तरीय सात दिवसीय आवासीय एनएसएस शिविर का 5वां दिन शारीरिक सशक्तिकरण, आध्यात्मिक चेतना, नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयंती पर श्रद्धांजलि व राष्ट्रनिर्माण की सोच और नशामुक्त समाज के संकल्प के साथ संपन्न हुआ। विभिन्न सत्रों ने स्वयंसेवकों के शरीर, मन और विचार तीनों को सशक्त करने का कार्य किया। प्रातःकालीन सत्र में सोनिया द्वारा शारीरिक अभ्यास कराया गया। तत्पश्चात ब्रह्म कुमारी आश्रम से कर्ण ने ध्यान एवं आध्यात्मिकता पर मार्गदर्शन प्रदान किया। मध्याह्न सत्र में दिनेश जेवलिया ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विचार व्यक्त किए।

पुस्तक संस्कृति व अध्ययन के महत्व पर प्रकाश डाला

इस अवसर पर पवन गोदारा ने पुस्तक संस्कृति व अध्ययन के महत्व पर प्रकाश डाला। अपराह्न सत्र में हिसार कॉलेज प्रोफेसर डॉ. राजेन्द्र ने स्वावलंबी भारत अभियान पर व्याख्यान दिया। सायंकालीन सत्र में रविन्द्र ढाका ने नशामुक्ति, अनुशासन एवं राष्ट्र सेवा पर प्रेरक संबोधन दिया। शिविर के दौरान प्रत्येक सत्र ने युवाओं के व्यक्तित्व को निखारते हुए उन्हें जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित किया। इस अवसर पर एनएसएस जिला समन्वयक रोहताश, मोहन, मनजीत, रामविलास शास्त्री, सुखविंद्र कौर, लखविंद्र कौर आदि मौजूद रहे।

लाखों रुपये की हेरोइन बरामद, पांच तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

जिला की पुलिस अलग-अलग जगहों से 2 महिलाओं सहित पांच लोगों को लाखों रुपये की 34 ग्राम 175 मिलीग्राम हेरोइन बरामद की है। एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा पुलिस टीम के प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम थेहड़ मोहल्ला सिरसा क्षेत्र में मौजूद थी। इस दौरान थेहड़ मोहल्ला की ओर से बाइक सवार एक युवक आता हुआ दिखाई दियाा। उक्त युवक ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक बाइक वापस मोडक़र खिसकने का प्रयास किया। पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर आरोपी प्रिंस पुत्र महेश कुमार निवासी जंडी वाली गली रेगर बस्ती सिरसा को काबू कर नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी ली तो उसके कब्जा से लाखों रुपए की 20 ग्राम 26 मिलीग्राम हेरोइन व 23 हजार रुपए की नकदी बरामद हुई।

सिरसा। हेरोइन के साथ पकड़े गए आरोपी पुलिस की गिरफ्त में।

2 महिलाओं सहित 3 दबोचे

सीआईए सिरसा की पुलिस टीम गश्त के दौरान रेलवे फाटक से होते हुए कंगनपुर की ओर जा रही थी। इस दौरान सामने से एक स्कूटी दो महिलाओं सहित एक युवक आता हुआ दिखाई दिया। उक्त स्कूटी सवार लोगों ने पुलिस की गाड़ी को देखकर स्कूटी को वापस मोडक़र भागने का प्रयास किया। पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर आरोपी संदीप सिंह पुत्र हरपाल व उसकी पत्नी राजदीप कौर निवासी कंगनपुर रोड व एक अन्य महिला सुमनदीप कौर पुत्री हरभजन सिंह निवासी अबोहर पंजाब को गिरफ्तार कर नियमानुसार तलाशी ली तो उनके कब्जा से 9 ग्राम 74 मिलीग्राम हैरोइन बरामद हुई।

नाथूसरी चौपटा थाना पुलिस ने एक नशा तस्कर को पकड़ा

एक अन्य घटना में नाथूसरी चौपटा थाना पुलिस ने गांव माखोसरानी आरोपी युवक अशोक पुत्र ओमप्रकास निवासी हंजीरा को गिरफ्तार कर नियमानुसार तलाशी ली तो उसके कब्जा से 5 ग्राम 75 मिली ग्राम हैरोइन बरामद हुई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामले दर्ज कर जांच संबंधित थानों को सौंपी गई है।

पटाखे फोड़ने वाले साइलेंसरों पर चला रोडरोलर

■ सड़क नियमों का उल्लंघना करने वालों के खिलाफ अभियान जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

सडक़ों पर शोर मचाने वाले और नियमों का उल्लंघन करने वाले बुलेट बाइक चालकों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिला पुलिस द्वारा शनिवार को एक बड़ी कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा विभिन्न नाकों और चेकिंग के दौरान जब्त किए गए भारी मात्रा में मोडिफाइड साइलेंसर और हैवी हॉर्न को आज पुलिस लाइन में रोडरोलर चलाकर नष्ट कर दिया गया। थाना ट्रैफिक प्रबंधक उप-निरीक्षक जय सिंह ने बताया कि बुलेट बाइक में लगे मोडिफाइड साइलेंसरों से निकलने वाली पटाखे की आवाज और हैवी हॉर्न न केवल यातायात के नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह ध्वनि प्रदूषण का मुख्य कारण भी है। यह शोर बच्चों, बुजुर्गों और विशेषकर हृदय रोग से पीड़ित व्यक्तियों की सेहत के लिए अत्यंत हानिकारक और जानलेवा साबित हो सकता है। ट्रैफिक पुलिस ने न केवल बाइक चालकों पर शिकंजा कसा है, बल्कि उन दुकानदारों और मैकेनिकों को भी सख्त हिदायत दी है जो इन अवैध साइलेंसरों को बेचते या फिट करते हैं। उप-निरीक्षक जय सिंह ने कहा कि यदि कोई दुकानदार नियमों के विरुद्ध जाकर बाइक को मोडिफाई करता पाया गया, तो उसके खिलाफ भी कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जब्त किए गए मोडिफाइड साइलेंसर और हैवी हॉर्न पर चलता रोड रोलर।

पुरानी पेंशन स्कीम की बहाली को लेकर सौंपा ज्ञापन

फतेहाबाद। पेंशन बहाली संघर्ष समिति ने पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम सांसद कुमारी सैलजा और फतेहाबाद के विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया को ज्ञापन सौंपा। राज्य महासचिव ऋषि नैन के नेतृत्व में जिला फतेहाबाद अध्यक्ष नरेश जांगड़ा और जिला सिरसा अध्यक्ष राज कुमार मेहता ने यह ज्ञापन सौंपा। राज्य महासचिव ने बताया कि नई पेंशन योजना और यूनिफाइड पेंशन सिस्टम दोनों ही योजनाएं कर्मचारियों के हित में नहीं हैं। इन योजनाओं ने कर्मचारियों के भविष्य को असुरक्षित कर दिया है और सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानजनक जीवन की गारंटी समाप्त कर दी है। एनपीएस पूरी तरह शेयर मार्केट पर निर्भर है जिसमें पेंशन की कोई गारंटी नहीं है। कर्मचारी के वेतन का 10 प्रतिशत हिस्सा हर माह काटा जाता है। सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली राशि अनिश्चित होती है। परिवार को ओपीएस जैसी सुरक्षा नहीं मिलती और सरकार इस योजना में जवाबदेही से मुक्त हो गई है। राज्य ऑडिटर विजय भूना ने कहा कि यूनिफाइड पेंशन सिस्टम भी केवल एनपीएस का नया रूप है, इसमें भी कोई सरकारी गारंटी नहीं है।

सीडीएलयू में बसंत पंचमी पर हवन यज्ञ

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में संगीत विभाग एवं संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर सरस्वती पूजा एवं हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में अंकुश लाडवाल द्वारा तबला व कीबोर्ड, कमलकांत व ललित द्वारा तबला एवं हारमोनियम, सागर द्वारा गिटार तथा अंशदीप द्वारा ढोलक पर संगत की गई। कार्यक्रम में चारू, कनुप्रिया, करणदीप कौर, सोनू, ऋतिक, सहित अनेक विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, संगीत एवं ज्ञान परंपरा के प्रति जागरूकता एवं श्रद्धा भाव को सुदृढ़ करना रहा।

स्व. सुरजीत रेणू को दी श्रद्धांजलि

सिरसा। साहित्यिक सामाजिक सरोकारों को समर्पित रहे स्व. सुरजीत सिंह रेणू की स्मृति में शनिवार को श्रद्धांजलि सभा हुई जिसमें शहर के अनेक साहित्यकारों व गणमान्यजनों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अखिल भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंडल के सदस्य कामरेड स्वर्ण सिंह विर्क ने कहा कि उनका निधन अंतःमन तक झकझोर देने वाली ऐसी दुःखद घटना है जिससे उभर पाना नामुमकिन है। इस अवसर पर रमेश मेहता, प्रो. सत्यपॉल सहगल, सरदारा सिंह चीमा, गुरेंद्रपाल सिंह एडवोकेट, गुरदीप सिंह इमरोज, प्रो. हरजिंद्र सिंह, संजीव शाद, कॉमरेड हरदेव सिंह संधु, डॉ. सुखदेव सिंह जम्मू, राज वर्मा आदि मौजूद रहे।

आध्यात्मिक एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम एक को

फतेहाबाद। जाट धर्मशाला के पास स्थित पंचनद सदन में एक फरवरी रविवार को आध्यात्मिक एवं सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में डॉ. लक्ष्मीधर बेहरा, निदेशक आईआईटी मंडी एवं निदेशक इस्कॉन भक्ति वेदांत गुरुकुल एंड इंटरनेशनल स्कूल, वृंदावन, मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में श्रीमद् भगवद् गीता-जीवन जीने की कला, गो-पालन एवं प्राकृतिक खेती जैसे विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। साथ ही इस्कॉन वृंदावन से पहुंच रही विशेष संकीर्तन टीम द्वारा हरिनाम संकीर्तन किया जाएगा।

मनरेगा करोड़ों परिवारों के लिए जीवनरेखा : सैलजा

■ बनगांव में पंचायत स्तरीय कार्यक्रम में पहुंची सांसद कुमारी सैलजा

हरिभूमि न्यूज. फतेहाबाद।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिले के गांव बनगांव में शनिवार को पंचायत-स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिरसा की सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने भाग लिया। यह कार्यक्रम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को कमजोर करने के विरुद्ध तथा ग्रामीण गरीबों के काम के संवैधानिक अधिकार की रक्षा के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

फतेहाबाद। गांव बनगांव में कार्यक्रम को संबोधित करते सांसद कुमारी सैलजा।

कुमारी सैलजा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मनरेगा केवल एक सरकारी योजना नहीं है, बल्कि ग्रामीण भारत के करोड़ों परिवारों के लिए जीवनरेखा है, जिसने पिछले दो दशकों में गरीब, मजदूर, किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के स्वरूप में किए जा रहे बदलाव ग्रामीण मजदूरों के काम मांगने के कानूनी अधिकार, न्यूनतम मजदूरी की गारंटी और ग्राम पंचायतों की भूमिका को कमजोर कर रहे हैं।

मनरेगा ने दिया आर्थिक सहारा

कुमारी सैलजा ने कहा कि कोरोना महामारी जैसे कठिन समय में मनरेगा ने करोड़ों परिवारों को आर्थिक सहारा दिया था, लेकिन आज उसी योजना को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि काम की कानूनी गारंटी को पूर्ण रूप से बहाल किया जाना चाहिए, मनरेगा में किए गए प्रतिकूल बदलावों को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अरविंद शर्मा, विधायक बलवान सिंह दौलतपुरिया, पूर्व विधायक प्रहलाद सिंह गिलाखेड़ा, जयपाल सिंह लाली, मंगत राम लालवास, गुरदीप सिंह चहल, लाल बहादुर खोवाल, पवन भूथन, सीता राम बैनीवाल आदि रहे।

जननी सत्कार मुहिम के तहत गर्भवती महिलाओं को दिया पौष्टिक आहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

■ जरूरतमंद लोगों की सहायता कर मानवता भलाई के कार्य जारी

शाह सतनाम जी महाराज के जन्ममाह के अवसर पर डेरा द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी मुहिमों का संचालन किया जा रहा है। इन अभियानों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की सहायता कर मानवता भलाई के कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को शाह सतनाम जी-शाह मस्ताना जी धाम, डेरा सच्चा सौदा सिरसा में ऑनलाइन गुरुकुल के दौरान जननी सत्कार मुहिम के तहत 10 जरूरतमंद गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार की किटें प्रदान की गईं। इस पहल का उद्देश्य माताओं और नवजात शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना है। वहीं महिलाओं को बढ़ते ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान डा. कीर्ति, डा. वैशाली व डा. यशिका ने महिलाओं को स्वयं जांच करने और शुरुआती लक्षणों की पहचान करने के तरीकों की महत्वपूर्ण जानकारी दी, ताकि समय रहते बीमारी की पहचान कर उचित उपचार किया जा सके।

सिरसा। शिविर में पहुंचे मरीजों की जांच करते चिकित्सक।

सिरसा। फायर कर्मचारी हड़ताल के लिए नोटिस देते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

फायरकर्मियों ने हड़ताल के लिए दिया नोटिस

सिरसा। फायर विभाग में पे-रोल के कर्मचारियों का हरियाणा सरकार द्वारा जॉब सिक्योरिटी पर ऑप्शन न आने व फायर ऑफिसर द्वारा एक्सपीरियंस न बनाने पर जिले भर से फायर कर्मचारियों ने प्रदर्शन करते हुए आगामी 12 फरवरी को होने वाली हड़ताल का नोटिस फायर ऑफिसर को सौंपा। जिला प्रधान राजेश खिचड़ ने बताया कि सरकार द्वारा जॉब सिक्योरिटी एक्ट के लिए जो पोर्टल खोला है, उसमें सिरसा के फायर कर्मचारियों के लिए ऑप्शन नहीं आ रहा है। यही नहीं 2021 से पहले का अनुभव प्रमाण भी फायर अधिकारी द्वारा बनाने से इनकार किया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में फायर अधिकारी के प्रति गहरा रोष है। उन्होंने कहा कि जल्द फायर अधिकारी ने कोई संज्ञान नहीं लिया तो आगामी 27, 28, 29, 30 जनवरी को जिलेभर के सभी फायर स्टेशनों पर फायर अधिकारी के खिलाफ खिलाफ धरना लगाएंगे। इसके बाद भी कुछ नहीं हुआ तो आगामी 31 जनवरी को को जिला कमेटी की मीटिंग कर सिरसा फायर कार्यालय का घेराव करेंगे। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को जॉब सिक्योरिटी की गारंटी नहीं मिलती तो इसकी जिम्मेदारी फायर अधिकारी की होगी। इस मौके पर गुरमेल, सुखेदव सिंह, ललित सोलंकी, सुरजीत सिंह बेदी, नरेश कुमार, बलवंत सरबटा, रणबीर फगोडिया, सुरेंद्र खिचड़, बलदेव सिंह, मलकीत सिंह, पवन कुमार व मनोज कुमार सहित जिले के सभी कर्मचारी मौजूद थे।

आशा वर्कर्स यूनियन की जिला स्तरीय बैठक में लिया निर्णय

12 फरवरी को देशव्यापी हड़ताल का किया ऐलान

■ मांगों को अनदेखा किए जाने जाने को लेकर रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

आशा वर्कर्स ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को फतेहाबाद के सीटू कार्यालय में आयोजित आशा वर्कर्स यूनियन की जिला स्तरीय बैठक में निर्णय लिया गया कि मांगों की अनदेखी के विरोध में 12 फरवरी को होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में आशा वर्कर्स बढ़चढ़ कर भाग लेंगी। इस बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान शीला शक्करपूरा ने की व संचालन सचिव सविता भूना ने किया। यूनियन ने अपनी रणनीतिक तैयारी पूरी करते हुए आशा वर्कर कोऑर्डिनेटर नरेंद्र खरब के माध्यम से मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नाम हड़ताल का नोटिस सौंप दिया है। इस दौरान सीटू के जिला सचिव ओमप्रकाश अनेजा ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आंदोलन का पूर्ण समर्थन किया। बैठक में वक्ताओं ने सरकार की दोहरी नीतियों पर कड़ा प्रहार किया। जिला सचिव सविता व ओमप्रकाश अनेजा ने कहा कि कोरोना महामारी में आशा की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए डब्ल्यूएचओ ने उन्हें 'ग्लोबल हेल्थ लीडर' माना, वहीं केन्द्र व राज्य सरकार आशा वर्कर्स के महत्वपूर्ण कार्यों को अनदेखा कर रही है। लंबे समय से उनके मानदेय में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। बिना संसाधन और अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि के अलग-अलग ऐप्स पर ऑनलाइन काम करने का दबाव बनाया जा रहा है।

फतेहाबाद। हड़ताल को लेकर नोटिस सौंपती आशा वर्कर्स। *फोटो : हरिभूमि*

ये बोले जिला प्रधान

जिला प्रधान शीला शक्करपुरा ने कहा कि केंद्र द्वारा घोषित 1500 रुपये की बढ़ोतरी अभी तक लागू नहीं हुई है। उन्होंने मांग की कि आशा वर्कर्स को न्यूनतम वेतन 26 हजार मासिक दिया जाए और पक्का कर्मचारी का दर्जा मिले। 2023 की 73 दिवसीय हड़ताल का मानदेय तुरंत जारी हो। रिटायरमेंट लाभ में वृद्धि और बैंक लोन की सुविधा मिले। ऑनलाइन कार्य के लिए अलग से मानदेय और स्मार्टफोन उपलब्ध कराए जाएं। चार श्रम संहिताओं को रद्द कर किया जाए। सरकारी स्वास्थ्य के ढांचे को मजबूत किया जाए और एनएचएम को स्थाई बनाकर जनता को बेहतर सुविधाएं दी जाए। जिला प्रधान ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार जल्द ही समाधान नहीं निकालती, तो 12 फरवरी को स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह ठप्प की जाएंगी।

गणतंत्र दिवस की फुल ड्रेस रिहर्सल में दिखी प्रदेश की संस्कृति की झलक

समारोह में हरियाणा विधानसभा उपाध्यक्ष डा. कृष्ण लाल मिड्ढा होंगे मुख्य अतिथि

फतेहाबाद। गणतंत्र दिवस की फाइनल रिहर्सल में अपनी प्रस्तुति देते हुए विभिन्न स्कूली बच्चे। व गणतंत्र दिवस की फाइनल रिहर्सल में परेड निकालते पुलिस टुकड़ी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद में गणतंत्र दिवस 2026 के जिला स्तरीय समारोह की तैयारियों को लेकर शनिवार को पुलिस लाइन ग्राउंड में फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल हुई। फाइनल रिहर्सल में पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने ध्वजारोहण किया। इसके उपरांत उन्होंने परेड कमांडर डीएसपी संजय बिश्नोई के नेतृत्व में हुई परेड का निरीक्षण करते हुए प्रतिभागी टुकड़ियों की तैयारियों, अनुशासन और समन्वय का जायजा लिया। इस अवसर पर कार्यवाहक उपायुक्त अनुराग ढालिया भी मौजूद रहे।

इससे पहले पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन व कार्यवाहक उपायुक्त अनुराग ढालिया ने लघु सचिवालय के समीप शहीदी स्मारक पर अमर वीर जवानों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। नगराधीश गौरव गुप्ता ने बताया कि 26 जनवरी को पुलिस लाइन ग्राउंड में जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह पूरे हर्षोल्लास व गरिमा के साथ आयोजित किया जाएगा। समारोह में हरियाणा विधानसभा उपाध्यक्ष डा. कृष्ण लाल मिड्ढा मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण करेंगे। उन्होंने बताया कि फाइनल रिहर्सल में पुलिस विभाग की विभिन्न टुकडियों सहित होमगार्ड, एनसीसी एवं अन्य प्रतिभागियों ने परेड में भाग लिया। कार्यक्रम में मार्च-पास्ट, पीटी शो, लेजियम शो, योगा शो सहित अन्य प्रस्तुतियों का अभ्यास भी कराया गया।

उन्होंने बताया कि फाइनल रिहर्सल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में विभिन्न विद्यालयों द्वारा देशभक्ति व सामाजिक संदेश से जुड़ी प्रस्तुतियों का पूर्वाभ्यास भी किया गया। फाइनल रिहर्सल में पायनियर कान्वेंट स्कूल व क्रिसेंट पब्लिक स्कूल ने कोरियोग्राफी, पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय खारा खेड़ी ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ ग्रुप डांस, पीएम श्री राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय फतेहाबाद व एसबीपी डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल ने हरियाणवी ग्रुप डांस, रॉयल पब्लिक स्कूल बहबलपुर ने पंजाबी भंगड़ा आदि की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर एसडीएम राजेश कुमार, डीडीपीओ अनूप सिंह, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के उप निदेशक अमित पंवार, जिला सैनिक कल्याण बोर्ड सचिव विंग कमांडर सुजाता, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अनीता बाई, नायब तहसीलदार विकास कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

टोहाना में तैयारियों को अंतिम रूप दिया

टोहाना। गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के तहत शनिवार को टोहाना के लघु सचिवालय परिसर में फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल का आयोजन किया गया। टोहाना में आयोजित होने वाले भव्य गणतंत्र दिवस समारोह में नलवा विधायक रणधीर पनिहार मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर ध्वजारोहण करेंगे। फाइनल रिहर्सल के दौरान एसडीएम आकाश शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देने की प्रक्रिया का अभ्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने परेड की विभिन्न टुकडियों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने समारोह के दौरान संविधान की गरिमा, अनुशासन एवं राष्ट्रीय मर्यादा का पूर्ण रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि गणतंत्र दिवस समारोह सुव्यवस्थित, गरिमामय एवं स्मरणीय ढंग से संपन्न हो।रिहर्सल के दौरान परेड की टुकडियों द्वारा अनुशासित कदमताल के साथ मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया। उमेद सिंह के नेतृत्व में महिला एवं पुरुष हरियाणा पुलिस बल, कन्या राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय टोहाना, डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल टोहाना, एसवीएम हाई स्कूल, बजरंग मॉडल स्कूल, आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कन्या राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, एनसीसी डिफेंस कॉलेज के विद्यार्थियों ने अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का परिचय दिया।

गणतंत्र दिवस को लेकर पुलिस अलर्ट, 650 कर्मचारी संभालेंगे सुरक्षा की जिम्मेदारी

सिरसा। गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर जिला पुलिस की ओर से सुरक्षा के चॉक-चौबंद प्रबंध किए गए हैं। एसपी दीपक सहारण ने जिला के सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस के दौरान विशेष सावधानी और सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि करीब 650 कर्मचारी सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेंगे। गणतंत्र दिवस पर सिरसा में बतौर मुख्य अतिथि के रुप में कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ध्वजारोहण करेंगे। इस अवसर पर प्रशिक्षु आईपीएस शिवम यादव परेड कमांडर होंगे। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा तथा विभिन्न प्रकार की झांकियां भी निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस द्वारा जिला स्तरीय पर मनाए जाने वाले गणतंत्र दिवस समारोह को शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करवाने के लिए पूरे जिलाभर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए है। समारोह के दौरान जिला में किसी तरह की कोई अप्रिय घटना अथवा किसी भी तरह से शांति भंग न हो इसके लिए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों व थाना प्रभारियों को चप्पे-चप्पे पर निगरानी रखने व संदिग्ध व्यक्तियों तथा वाहनों की गहनता से जांच कर रहे है।

सिरसा में छात्राओं ने फहराया तिरंगा

सिरसा। गणतंत्र दिवस समारोह का जिला व उपमंडल स्तर पर भव्य आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा समारोह की सभी तैयारियां पूर्ण की जा चुकी हैं। इसी कड़ी में शनिवार को फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल का आयोजन किया गया। शहीद भगत सिंह स्टेडियम सिरसा में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह के लिए फाइनल रिहर्सल के दौरान अतिरिक्त उपायुक्त विरेंद्र सहरावत ने मार्च पास्ट की सलामी ली, वहीं पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने एडीसी के साथ परेड का निरीक्षण भी किया। सीटीएम अजय कुमार ने व्यवस्थाओं का बारिकी से जायजा लेते हुए पुख्ता प्रबंध के निर्देश दिए। रिहर्सल कार्यक्रम में पुलिस सहित विभिन्न स्कूलों व एनसीसी की टुकडियों ने मार्च पास्ट किया, जिसका नेतृत्व एएसपी शिवम, आईपीएस ने किया। इसके अलावा विभिन्न स्कूलों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। उपमंडल स्तर पर भी फाइनल रिहर्सल का आयोजन किया गया।

विपुल गोयल फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वजसिरसा में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में विपुल गोयल, मंत्री राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, हरियाणा सरकार बतौर मुख्यअतिथि शिरकत करते हुए प्रातः 10 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इससे पहले लघुसचिवालय स्थित शहीद स्मारक व स्वतंत्रता सेनानी स्मारक पर शहीदों को नमन करेंगे। जिला व उपमंडल स्तरीय कार्यक्रम में शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों का सम्मान किया जाएगा।

रतिया में अंतिम रिहर्सल, एएसपी ने किया ध्वजारोहण

रतिया। शनिवार को रतिया अनाज मंडी के शैड प्रांगण में उप-मंडल स्तर पर गणतंत्र दिवस को लेकर फाइनल रिहर्सल आयोजित की गई। जिसमें एएसपी दिव्यांशी सिंगला ने राष्ट्रीय धुन के साथ ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। एएसपी दिव्यांशी सिंगला ने बताया कि मुख्य समारोह गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर अनाज मंडी के परिसर में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला परिषद की चेयरपर्सन एडवोकेट सुमन खीचड़ परेड का निरीक्षण कर मार्च पास्ट की सलामी लेंगी और इससे पूर्व शहीद स्मारक पर जाकर शहीदों को नमन करेंगी। अंतिम रिहर्सल में विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में शानदार प्रस्तुति दी। छात्र-छात्राओं द्वारा पीटी शो, डंबल, लेजियम की प्रस्तुति दी और परेड की टुकडियों ने मार्चपास्ट किया। गणतंत्र दिवस समारोह की अंतिम रिहर्सल में भारतीय निकेतन विद्यालय, गुरुनानक इंटरनेशनल स्कूल, सिटी हार्ट स्कूल, दशमेश कान्वेट स्कूल, मदर इंडिया कान्वेट स्कूल, डीएवी स्कूल और राजकीय कन्या स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। अपनी प्रस्तुति में बच्चों ने देश की समृद्ध विरासत, देशभक्ति और विभिन्नता में एकता लिए हमारी संस्कृति को दर्शाया। इस अवसर पर खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी विकास कुमार लंग्यान, मार्केट कमेटी सचिव राजकुमार व अन्य मौजूद रहे।

वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करें : सुखदेव सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

यातायात पुलिस के सहयोग से नेशनल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा शनिवार को टाऊन पार्क के निकट सडक़ सुरक्षा जागरूकता कैंप आयोजित किया गया। यातायात थाना प्रभारी सुखदेव सिंह ने कहा कि वाहन चालक सर्वप्रथम यातायात नियमों का पालन अवश्य करें। उन्होंने कहा कि अक्सर देखा गया है कि वाहन चालक की जरा सी लापरवाही से हादसा हो जाता है। कई बार तो हादसे बड़े विवाद का रूप भी ले लेते हैं। इसलिए वाहन चलाते वक्त का भी भी फोन का प्रयोग न करें। ओवरटेक करते वक्त इंडीकेटर व लाइट का प्रयोग करें। नियंत्रित स्पीड में ही अपना वाहन चलाएं। इस मौके पर नेशनल इंश्योरेंस कंपनी के मुख्य व्यवसायिक प्रबंधक वीके गुंबर ने बताया कि मोटर वाहन एक्ट के तहत वाहन चालक अपने वाहन का थर्ड पार्टी बीमा अवश्य करवाएं। उन्होंने कहा कि बीमा सिर्फ चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी व अपने वाहन की सुरक्षा के लिए करवाएं। गुंबर ने कहा कि वाहन चलाते समय कई बातें ध्यान रखने योग्य है, जैसे सीट बैल्ट लगाना, मोबाइल का प्रयोग न करना, इंडीकेटर का प्रयोग करना आदि से वाहन चालक किसी भी जुर्माने से बचने के साथ-साथ अपने आप व वाहन को भी सुरक्षित रख सकता है। उन्होंने आमजन का आह्वान किया कि वे अपने वाहन का सर्वप्रथम बीमा अवश्य करवाएं, क्योंकि अगर बिना बीमा हम वाहन का प्रयोग कर रहे हैं तो दूसरे की जान को भी जोखिम में डाल रहे हैं।

सिरसा। वाहन चालकों को यातायात नियमों के बारे में जागरुक करते हुए।

पंजाबी गायक की प्रस्तुति ने मन मोहा

अमारा ग्रीन पर सरताज ने छेड़ी धुनों की तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

विख्यात पंजाबी गीतकार-फिल्मकार सतिंद्र सरताज ने शुक्रवार सायं सिरसा में अपने गीतों से सिरसावासियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। श्रीमत ब्रिज ग्रुप द्वारा वैदवाला रोड पर हुडा के निकट करीब 60 एकड़ में विकसित किए जा रहे अमारा ग्रीन रेजीडेंसी एवं बिजनेस पार्क में इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।पंजाबी गीतकार डा. सतिंद्र सरताज की टीम फिरदोश प्रोडेक्शन द्वारा अपने देशभर में हेरिटेज टूर इंडिया प्रोग्राम के तहत सिरसा में इसका आयोजन किया गया था। इसमें पंजाबी फनकार को देखने-सुनने का लोगों में भारी क्रेज रहा। श्रीमत ब्रिज ग्रुप की ओर से इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में अपनी अहम भूमिका निभाई। संस्थान की ओर से शहर के प्रमुख गण्यमान्य लोगों को इस कार्यक्रम में विधिवत आमंत्रित किया गया था। डा. सतिंद्र सरताज को देखने व सुनने के लिए शहरवासी उमड़ पड़े। करीब तीन घंटे से अधिक समय तक चले कार्यक्रम में लोग नाचने व झूमने को विवश हो गए। सिरसा में आयोजित कार्यक्रम में श्रीमत ब्रिज ग्रुप की ओर से कार्यक्रम में आमंत्रित किए गए मेहमानों के लिए की गई विशेष व्यवस्था को सिरसावासियों ने जमकर सराहा। गुरप के प्रमोटर माधव जैन ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार जताया है।

क्रेसंट स्कूल में संविधान की शक्ति व देशभक्ति का भव्य उत्सव मनाया

- गणतंत्र दिवस अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। गणतंत्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते क्रेसंट के विद्यार्थी।

क्रेसंट स्कूल में गणतंत्र दिवस अत्यंत हर्षोल्लास, गरिमा एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों का ध्यान संविधान के महत्व, राष्ट्रीय एकता एवं नागरिक कर्तव्यों की ओर आकर्षित करना था। मंच का संचालन कक्षा तीसरी के दक्ष एवं कक्षा नौवीं की श्रुति द्वारा किया गया। रुद्र, गर्व व खुशी द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति से ओत-प्रोत नारे 'हमारा संविधान हमारी शक्ति है, विविधता में एकता एवं हमें भारतीय होने पर गर्व है' कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहे। वामिका एवं प्राक्शु द्वारा प्रस्तुत की गई देशभक्ति कविता 'गणतंत्र हुआ जब देश हमारा, वीरों की शहीदी रंग लाई' ने सभी के हृदयों को राष्ट्रप्रेम की भावना से भर दिया। कक्षा नौवीं के विद्यार्थियों द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना जिसमें प्रत्येक भारतीय के मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों का सजीव प्रदर्शन किया गया। कक्षा नौवीं के छात्र संभव ने अपने भाषण के माध्यम से गणतंत्र दिवस के ऐतिहासिक एवं राष्ट्रीय महत्व का प्रभावशाली ढंग से वर्णन किया। छात्र विश्वेश सिंह गढ़वाल ने गणतंत्र दिवस से संबंधित सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछ कर उपस्थित विद्यार्थियों के ज्ञान को परखा। प्रधानाचार्या रितु सिंधु ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन जरूरी है।

रानी लक्ष्मी बाई पार्क में जरूरतमंद बच्चों को फल व अन्य सामान वितरित

फतेहाबाद। बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित करते नेहा मित्तल।

फतेहाबाद। वार्ड नंबर 23 स्थित गौशाला के पास रानी लक्ष्मी बाई पार्क में आज मानवता और सेवा भाव का एक अनूठा दृश्य देखने को मिला। राष्ट्रीय सामाजिक विकास समिति की राष्ट्रीय महासचिव एवं अग्रोहा विकास ट्रस्ट की अध्यक्ष नेहा मित्तल ने पार्क में पहुंचकर गरीब और जरूरतमंद बच्चों को खाने-पीने का सामान वितरित किया। समाजसेवी नेहा मित्तल जब खाद्य सामग्री लेकर बच्चों के बीच पहुंचीं, तो बच्चों के चेहरों पर मुस्कान खिल उठी। उन्होंने अपने हाथों से कतारबद्ध तरीके से सभी बच्चों को बिस्कुट, फल और अन्य खाद्य पैकेट बांटे। नेहा मित्तल ने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। हम अक्सर अपने जीवन की खुशियां बड़ी पार्टियों में मनाते हैं, लेकिन असली सुकून इन मासूम बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाकर मिलता है। उन्होंने कहा कि उनकी संस्था का उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक मदद पहुंचाना है। उन्होंने शहर के अन्य सक्षम लोगों से भी अपील की कि वे अपने व्यस्त समय में से कुछ पल निकालकर ऐसे जरूरतमंद बच्चों की मदद के लिए आगे आएं। स्थानीय लोगों ने नेहा मित्तल द्वारा किए जा रहे निरंतर सामाजिक कार्यों की सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। इस मौके पर जिला महामंत्री डा. सन्ध्या अग्रवाल, सहसचिव अनु गोयल, वर्षा बंसल, निशा शर्मा व अन्य मौजूद रहे।

जागरूकता राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच द्वारा एमएम कॉलेज में 'नशा मुक्त भारत' पर सेमिनार

नशे के खिलाफ समाज को एकजुट होना होगा तभी इस बुराई का अंत हो सकेगा : प्रो. विजय

पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, पौधरोपण भी किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच और मनोहर मैमोरियल कॉलेज, फतेहाबाद के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को 'नशा मुक्त भारत' विषय पर एक भव्य सेमिनार का आयोजन किया गया।

ऐसे चला कार्यक्रम

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा के कुलगुरू प्रो. विजय कुमार उपस्थित रहे। सेमिनार के मुख्य वक्ता आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक एवं राष्ट्रीय संचालन समिति (एफएएनएस)के चेयरमैन गोलोक बिहारी राय व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री विक्रमादित्य ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोहर मैमोरियल कॉलेज गर्वनिंग बॉडी के प्रधान राजीव बतरा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में एफएएनएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजपाल आईपीएस रिटायर्ड, उत्तर पश्चिम क्षेत्र सहप्रभारी राजेन्द्र सिंह पंघाल अधिवक्ता, ओमवीर आईपीएस रिटायर्ड, एफएएनएस से हिसार चैप्टर अध्यक्ष डॉ. राजेश धमीजा, एवं समाजसेवी टेकचंद मिढ़ा मौजूद रहे। कॉलेज प्राचार्य एवं कार्यक्रम संरक्षक डॉ. गुरचरण दास ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया।

फतेहाबाद। सेमिनार में एनएसएस की पुस्तक का विमोचन करते अतिथिगण।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे अतिथियों के आगमन और मनोहर स्मृति पर पुष्प अर्पण के साथ हुई। मुख्य अतिथि प्रो. विजय कुमार सहित अन्य अतिथियों ने कॉलेज परिसर में पौधारोपण किया और पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन कर युवाओं की रचनात्मकता की सराहना की। अपने संबोधन में कुलगुरू ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया और प्रो. रोहताश, रेडकास कोओर्डिनेटर के नेतृत्व में सभी उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। मुख्य वक्ता गोलोक बिहारी राय ने समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। विक्रमादित्य, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, एफएएनएस और डॉ. राजेश धमीजा ने भी युवाओं को संबोधित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की पुस्तक का विमोचन भी किया गया। समापन अवसर पर कॉलेज प्रबंधन समिति द्वारा मुख्य अतिथि प्रो. विजय कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। यूथ रैडकास कोओर्डिनेटर डॉ. मीनाक्षी कोहली ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। मंच संचालन डॉ. भव्या मुखी ने किया।

शिक्षक और अन्य अतिथि रहे मौजूद

इस अवसर पर एमएम एजुकेशन सोसायटी के उपप्रधान अशोक तनेजा, महासचिव विनोद मेहता एडवोकेट, कोषाध्यक्ष कैलाश बत्रा, बीएड कॉलेज उपप्रधान संजीव बत्रा, एफएएनएस से हिसार चैप्टर अध्यक्ष डॉ. राजेश धमीजा, उपाध्यक्ष रामफल शर्मा, हिमांशु मेहता, संदीप चोपड़ा अधिवक्ता, महासचिव पवन सैनी अधिवक्ता, सचिव धर्मपाल पाहवा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।